900-5977-T1548

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) की
एम्. फिल्. (हिन्दी)
उपाधि के लिये प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबध

''नागार्जुन के उपन्यासों में चित्रित ग्राम जीवन में प्रगतिवादी चेतना''

(बलचनमा, नई पौध, दु:खमोचन, बाबा बटेसरनाथ,रतिनाथ की चाची के संदर्भ में)

शोध-छात्र
कु. सारीका प्रकाश बनकर
एम्.ए.

शोध-निर्देशक
प्रा. डॉ. भरत धोंडीराम सगरे
एम्.ए., पीएच्.डी.

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, सातारा,
जिला - सातारा (महाराष्ट्र)

सितंबर, २००४